दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड

DSSSB TGT & PGT

ROJGAR with ANKIT

Part-B

SCHOLAR BATCH

INDIAN ECONOMY

Poverty

Part -12

LIVE 17-07-2024 08:00 PM

वित्त (Finance)

एक प्रकार की पूंजी है जिसका प्रयोग उत्पादन कार्यों के सुचारू रूप से संचालन हेतु किया जाता है

पूंजी

- कच्चा माल
- बिजली (ऊर्जा)
- मानव श्रम
- परिवहन

Manufacturing industry → Goods ⇒ Production.

अर्थव्यवस्था में वित्त की आवश्यकता की पूर्ति करने वाली संस्थाओं को = वित्तीय संस्थाएं कहते हैं

एवं वित्तीय संसाधनों को जुटाती है

eg. IDBI
SIDBI
LIC
ICICI

वित्त के स्रोत (Source of finance)

संस्थागत स्रोत (Financial)

- उद्देश्य = वित्तीय की सुविधा उपलब्ध कराते हैं (कानूनी रूप से)
- प्रचलित दर पर
- Bank's
- सरकार
- Financial Institutions

गैरसंस्थागत स्रोत

- साहूकार, महाजन (गैरकानूनी)
- प्रचलित दर से अधिक पर ब्याज पर ऋण देने का कार्य

संस्थागत स्त्रोत :-

बैंक (Bank)

सहकारी समितियां (Co-operative Banks)

बीमा कम्पनियां

UTI (भारतीय यूनियन ट्रस्ट)

राज्य वित्त विकास निगम

इनका उद्देश्य = अर्थव्यवस्था के लिए वित्त की व्यवस्था करना।

भूमिविकास बैंक

(Land development Bank)

किसानों को दीर्घकालीन ऋण की व्यवस्था कराने के उद्देश्य से इस प्रकार की बैंको की स्थापना की गयी थी।

> भूमि पर किसी प्रकार के स्थायी कार्य करने के लिए।

> नई जमीन खरीदने (कृषि कार्य हेतु)

> पुराने ऋणों का भुगतान करने के लिए भी ऋण उपलब्ध

सर्वप्रथम = 1929 = मद्रास मे स्थापित

संरचना = द्विस्तरीय

राज्य स्तर →
राज्य भूमि विकास बैंक

जिला स्तर →
केन्द्रीय भूमि विकास बैंक

किसानों को दीर्घकालीन ऋण उपलब्ध कराते हैं
↓
किसानों की अचल सम्पत्ति को बंधक बनाकर रखते
↓
"भूमि बंधक बैंक"

भूमि विकास बैंकों की पूंजी के मुख्य स्त्रोत →

जन०पत्र ✓
ऋणपत्र ✓
सुरक्षित कोष ✓
जमाराशि ✓

44.

NABARD (National Bank of Agriculture & Rural Development)

स्थापना = 12 जुलाई 1982 = शिवरमन सिंह समिति की सिफारिशों के आधार पर

ग्रामीण एवं कृषि उद्योग, हस्तशिल्प, कृषि में सुधार, लघुउद्योग → ग्रा०।

-

नाबार्ड अपनी ऋण सम्बंधी आवश्यकता की पूर्ति :

- भारत सरकार
- विश्व बैंक
- अन्य एजेंसियाँ

ग्रामीण जुटाने के अन्य साधन :

- केन्द्र सरकार की गारंटी प्राप्त बांड
- ऋणपत्र

क्षेत्रीय ग्रामीण
विकास बैंक

ग्रामीण लोगों को बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से।

लोगों की अल्पकालीन ऋण की आवश्यकता की पूर्ति के लिये